Volume 7, Issue 04, August 2020

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR

News

Disappearance day of Srila Sanatana Goswami (5th July) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Sanatana Goswami led the mission of Chaitanya Mahaprabhu from the forefront. He dedicated his life to the discovery of various places where the Lord manifested his pastimes, making the instruction of Mahaprabhu his life and soul. As one of the Goswamis, he continues to guide and lead the Vaishnava tradition. His works and life are both exemplary, providing the principles of devotional life, their essence and application. His disappearance day was celebrated with pushpanjali and kirtan. The devotees begged for his mercy, which is the only way of attaining the favour of Krishna.

समाचार

श्रील सनातन गोस्वामी का तिरोभाव दिवस (5 जुलाई)

श्रील सनातन गोस्वामी ने आगे बढ़कर श्री चैतन्य महाप्रभु के मिशन का नेतृत्व किया। उन्होंने महाप्रभु के निर्देशों को ही अपना प्राणाधार बनाकर अपना जीवन प्रभु की लीला–स्थलियों के विभिन्न स्थानों की खोज में समर्पित कर दिया। षड–गोस्वामियों में से एक के रूप में, उन्होंने वैष्णव परंपरा का नेतृत्व एवं मार्गदर्शन जारी रखा है। उनके कार्य एवं जीवन दौनों ही अनुकरणीय हैं जो भक्तिमय जीवन के सार, सिद्धांत और अनुप्रयोग को दर्शाते हैं। उनके तिरोभाव दिवस को पुष्पांजलि एवं कीर्तन के साथ मनाया गया। भक्तों ने उनकी दया प्राप्ति हेतु याचना की, जो कृष्ण–कृपा प्राप्त करने का एकमात्र तरीका है।

चतुर्मास के पहले महीने का आरम्भ (6 जुलाई)

6 जुलाई को चतुर्मास का पहला महीना श्रावण मास का आरम्भ हुआ। भक्तगण इस महीने में हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन न करके बल्कि इनसे एक महीने तक पूर्ण उपवास करते हैं।

श्रील प्रभुपाद के सबसे अग्रणी सैनिकों में से एक को श्रद्धांजलि (7 जुलाई) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

श्रील प्रभुपाद की सेवा में परम पूज्य भक्ति चारु स्वामी महाराज के अद्भुत जीवन का उत्सव मनाने हेतु एक विशेष स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। परम पूज्य भक्ति चारु स्वामी महाराज जी ने अपने जीवन के 42 से अधिक वर्षों को श्रील प्रभुपाद एवं श्री चैतन्य महाप्रभु के आंदोलन को पूरा करने हेतु समर्पित कर दिया। अपने कई व्याख्यानों, पुस्तकों, नाटकों और इन सबसे बढ़कर अपने पूरे जीवन के दौरान, उन्होंने दुनिया भर के हजारों भक्तों को प्रेरित किया। उनके सबसे बड़े योगदान में से एक तो यह है कि उन्होंने श्रील प्रभुपाद द्वारा लिखित लगभग सभी पुस्तकों का बंगाली भाषा में अनुवाद किया। महाराज का लगभग उन सभी लोगों पर गहरा प्रभाव था जो उनके मृदुभाषी स्वभाव एवं करुणा के कारण उनके संपर्क में आए थे। वे वास्तव में 'जेंटलमैन' (भद्रपुरुष) शब्द की प्रतिमूर्ति ही थे। कार्यक्रम में परम पूज्य भक्ति चारु स्वामी महाराज का एक वीडियो व्याख्यान, वैष्णव भजन, भोगार्पण, उनका महिमामंडन, आरती और पुष्पांजलि भी शामिल था।

First month of Caturmasya begins (6th July)

The first month of Caturmasya began on 6th July. Devotees follow a month long fast from green leafy vegetables during this month.

Loving tribute to one of the foremost soldiers of Srila Prabhupada (7th July)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

A special memorial program was organized to celebrate the wonderful life of H.H. Bhakti Charu Swami Maharaja in the service of Srila Prabhupada. Bhakti Charu Maharaja dedicated more than 42 years of his life to fulfill the mission of Srila Prabhupada and Sri Chaitanya Mahaprabhu. Through his numerous lectures, books, plays and above all his life, he inspired thousands of devotees across the world. One of his biggest contribution is that he translated almost all books written by Srila Prabhupada in Bengali language. Maharaja had a deep impact on almost everyone who came in contact with him due to his soft-spoken nature and his compassion. He really personified the word "Gentleman". The program comprised of a video lecture of H.H. Bhakti Charu Swami Maharaja, Vaishnava Bhajans, bhoga offering & glorification, aarti and pushpanjali.

Lockdown Construction
(ISKCON, Rohini)

In the present times afflicted with CORONA, when everything has come to a standstill, the life of a pure devotee is in somewhat different direction. H.G. Keshava Murari Prabhu, the temple president, Sri Sri Radha Madhav Temple (ISKCON ROHINI) along with H.G. Vedavyasa Prabhu, project chairperson, Rohini Temple are trying their best to fulfill the dream of H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja i.e. completion of 'Rohini Temple Project' as soon as possible. Despite all the material hurdles, temple construction has been steadily in progress. Dome and stone work both are about to see their finishing. Donations in the 'Golden Brick Scheme' are still open but will be finished very soon.

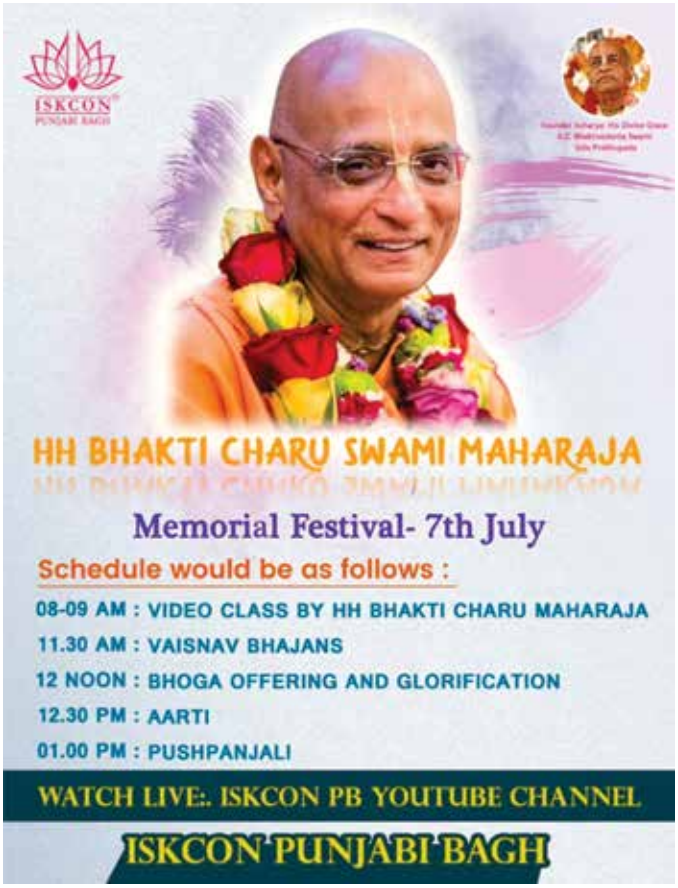

लॉकडाउन में निर्माणकार्य
(इस्कॉन, रोहिणी)

कोरोना के वर्तमान युग में, जब सब कुछ ठहर सा चुका है, किन्तु एक शुद्ध भक्त का जीवन पूर्णतः अलग ही दिशा में गतिमान है। श्रीमान केशव मुरारी प्रभु, मंदिराध्यक्ष, श्री श्री राधा माधव मंदिर (इस्कॉन रोहिणी), के संग ही श्रीमान वेदव्यास प्रभु, प्रोजेक्ट चेयरपर्सन, रोहिणी मंदिर, जितनी जल्दी हो सके, परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज जी के सपने को पूरा करने हेतु अपना पूर्ण प्रयास कर रहे हैं। सभी भौतिक बाधाओं के बावजूद, मंदिर निर्माण सतत प्रगति पर है। गुंबद एवं पत्थर का काम, शीघ्र ही दौनों अपने अंतिम चरण के साक्षी होंगे । 'गोल्डन ब्रिक स्कीम' में दान देना अभी भी खुला हुआ हैं किन्तु जल्द ही समाप्त हो जाएगा।

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का तिरोभाव दिवस
(10 जुलाई)

श्री चैतन्य महाप्रभु ने दक्षिण भारत के अपने दौरे पर, चातुर्मास की अवधि, श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी के घर में बिताई। श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी उस समय एक युवा बालक थे। महाप्रभु के प्रति उनके सहज आकर्षण के कारण, वह उनके साथ रहना चाहते थे और उनकी सेवा करना चाहते थे, किन्तु महाप्रभु ने उन्हें अपने माता–पिता की सेवा सुचारु रखने का निर्देश दिया, जिसके बाद उन्हें वृंदावन जाना था। इस निर्देशोपरान्त, बाद में वह अन्य गोस्वामियों की सहायता के लिए वैष्णव परंपरा की पुनः स्थापना हेतु वृंदावन को रवाना हुए। वृंदावन के छह गोस्वामियों में से एक के रूप में, श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी, भक्ति के निर्देशों एवं सिद्धांतों का विवरण तथा व्याख्या करना सुचारु रखे हुए हैं। उनका तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ मनाया गया।

Disappearance day of Srila Gopala Bhatta Goswami (10th July) (ISKCON, East of Kailash)

On his tour to South India, Mahaprabhu spent the period of Caturmasya, in the home of Srila Gopala Bhatta Goswami. Srila Gopala Bhatta Goswami was a young boy at that time. Due to his spontaneous attraction towards Mahaprabhu, he wanted to accompany Him and serve Him, but Mahaprabhu instructed him to continue serving his parents, after which he was to go to Vrindavana. Following this instruction, he left for Vrindavana later, assisting the other Goswamis in the re-establishment of the Vaishnava tradition. As one of the six Goswamis of Vrindavana, Srila Gopala Bhatta Goswami, continues to instruct and elucidate the principles and details of devotional service. His disappearance was celebrated with pushpanjali and kirtan.

Much-awaited Darshan of the Lordships (10 July) (ISKCON, Punjabi Bagh)

After over 3 months of being closed, the temple opened its gates to all devotees for darshan of the beautiful deities of Sri Sri Krsna-Balarama and Sri Sri Radhika Raman. In order to ensure safety of all devotees, the temple premises opened with restrictions with all Covid related precautions and settings. The temple is open for visiting devotees from 5 PM to 8 PM every day.

Much-awaited Darshan of the Lordships (10 July) (ISKCON, Dwarka)

The gates of Sri Sri Rukmini Dwarkadhish temple are now open for Their beloved devotees. Due to pandemic, the entry of devotees was restricted to avoid the spread of COVID-19. As the lockdown was eased, temple authority in consultation with the government decided to open the temple with certain safety norms. To have darshan one need to have free appointment which can be easily made via internet. Safety norms involve wearing face mask, maintaining social distance while taking Darshana and if feeling sick, avoiding coming to temple.

भगवान के बहुप्रतीक्षित दर्शन (10 जुलाई) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

3 महीने से अधिक समय तक बंद रहने के बाद, मंदिर ने सभी भक्तों हेतु श्री श्री कृष्ण–बलराम और श्री श्री राधा राधिका रमण जी के सुंदर विग्रहों के दर्शनों हेतु अपने द्वार खोले। सभी भक्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु, मंदिर परिसर सभी कोविड–19 संबंधित समायोजन एवं प्रतिबंधों की सावधानियों के साथ खोला गया। मंदिर प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु खुला रहता है।

भगवान के बहुप्रतीक्षित दर्शन (10 जुलाई) (इस्कॉन, द्वारका मंदिर)

श्री श्री रुक्मिणी द्वारकाधीश मंदिर के द्वार अब उनके प्रिय भक्तों हेतु खुल चुके हैं। कोविड–19 के प्रसार से बचने के लिए भक्तों का प्रवेश, महामारी के कारण प्रतिबंधित था। चूंकि लॉकडाउन में ढील दी गई थी, अतः सरकार के परामर्शानुसार ही मंदिर प्राधिकरण ने कुछ सुरक्षा मानदंडों के साथ मंदिर खोलने का निर्णय लिया। दर्शनों हेतु सभी को निःशुल्क भेंट कूपन की आवश्यकता होती है जिसे सहजता से इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। सुरक्षा मानदंडों में फेस मास्क पहनना, दर्शन करते समय सामाजिक दूरी बनाए रखना एवं बीमार अनुभव करने पर, मंदिर आने से बचना शामिल है।

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उद्गार का प्रवेश (15 जुलाई)

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने, उदगार महोत्सव हेतु इस्कॉन को मान्यता प्रदान की, जो कि नशा विरोधी जागरूकता अभियान में उसकी अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करती है। 6 अक्टूबर 2019 को दिल्ली में आयोजित किया गया यह महोत्सव "उदगार– शुभ एवं प्रसन्नता की एक अभिव्यक्ति", इस्कॉन यूथ फोरम, के वार्षिकोत्सव का एक हिस्सा था। उदगार वर्तमान समाज में ज्वलंत मुद्दों के आधार पर एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में लोगों एवं संगठनों का ध्यान आकर्षित

Udgaar enters World Book of Records (15th July)
(ISKCON, East of Kailash)

The World Book of Records London, recognised ISKCON for the Udgaar Festival which showed maximum participation in Anti Addiction Awareness Campaign. This was a part of the annual festival of ISKCON Youth Forum, Udgaar – An expression of Goodness and Joy, organised in Delhi on 6th October 2019. Udgaar has been attracting the attention of people and organisations as an annual event based on current, burning issues of society, providing a counter narrative to the corrosive modern education and lifestyle.

Sri Chaitanya Charitamrita Study course, (19th July)
(ISKCON, Dwarka)

A systematic and complete study of Sri Caitanya Caritamrita has started from 19th July, 2020 with sessions being held every day. The facilitator for the program is H.G. Amal Krishna Prabhu, senior preacher and renowned spiritual instructor (Ph.D., IIT Delhi). The course is totally free of cost and will be imparted on ZOOM. The course involves learning each shloka and understanding the deepest knowledge of bhakti from the life of Chaitanya Mahaprabhu, the Lord Himself.

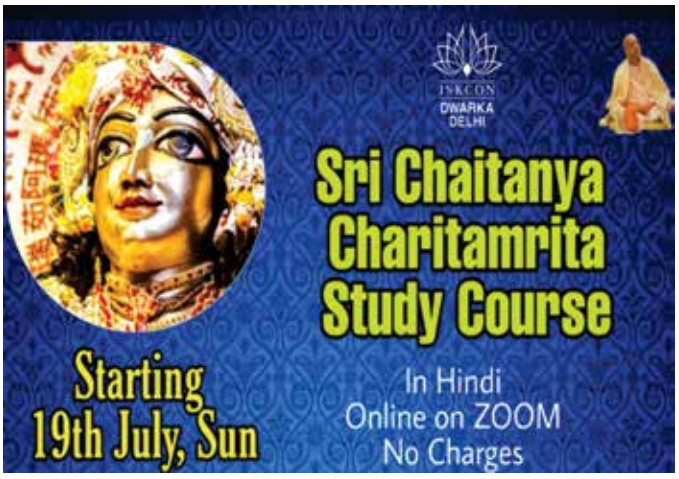

9) Conclusion of India's biggest Online Value Education Olympiad (26th July 2020)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

The final exam of the Value Education Olympiad (VEO) was conducted on 5th July. VEO is an initiative in its 2nd year where the temple reached out to the students of approximately 80 schools. The students were provided with study material (Bhagavad Gita based Value Education booklet) along with a soft & hard copy of "Bhagavad Gita As It Is". Five weekends sessions were conducted on YouTube for the students every Saturday. Approximately 8,000 students gave the exam with the topper scoring 94%. The results of the Olympiad have been announced and a felicitation ceremony for winners was done on 26th July, with H.H. Krishna Kshetra Maharaj as the chief guest.

कर रहा है, जो कि संक्षारक आधुनिक शिक्षा एवं जीवन शैली हेतु एक प्रतिलोम कथानक प्रदान करता है।

WORLD BOOK OF RECORDS
LONDON

CERTIFICATE

ISKCON

Has been recorded for
Maximum Participation in Anti-Addiction Awareness Festival,
which had 15,000 people, achieved at
"UDGAAR - An Expression of Goodness and Joy"
held in Delhi (India) on 06 October 2019.

Date : 15 July 2020

Dr. Diwakar Sukul
Chairman, WBR
ENGLAND

Santosh Shukla
President, WBR
INDO - UK

WORLD BOOK OF RECORDS LIMITED - UK
SILVER EDITION - 2020

श्री चैतन्य चरितामृत अध्ययन पाठ्यक्रम, (19 जुलाई)
(इस्कॉन, द्वारका)

श्री चैतन्य चरितामृत का व्यवस्थित और पूर्ण अध्ययन 19 जुलाई, 2020 से शुरू हुआ है, जिसमें हर दिन सत्र आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम के सूत्रधार श्रीमान अमल कृष्ण प्रभु, वरिष्ठ उपदेशक और प्रसिद्ध आध्यात्मिक प्रशिक्षक (पीएचडी, आईआईटी दिल्ली) हैं। पाठ्यक्रम पूरी तरह से निःशुल्क है और ZOOM पर आयोजित किया जाएगा। पाठ्यक्रम में प्रत्येक श्लोक को कंठस्थ करने तथा श्री चैतन्य महाप्रभु के जीवन से– जो स्वयं भगवान हैं, भक्ति का गहन अध्यन भी शामिल है।

भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन मूल्य शिक्षा ओलंपियाड का समापन (26 जुलाई 2020)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

वैल्यू एजुकेशन ओलंपियाड (टम्ब) की अंतिम परीक्षा 5 जुलाई को आयोजित की गई। वीईओ एक पहल अब अपने द्वितीय वर्ष में थी जब मंदिर लगभग 80 स्कूलों के छात्रों तक पहुंचा। छात्रों को अध्ययन सामग्री के रूप में श्रीमद भगवद गीता आधारित मूल्य शिक्षा पुस्तिका के साथ ही श्रीमद भगवद गीता की सॉफ्ट एवं हार्ड कॉपी भी प्रदान की गई। प्रत्येक शनिवार को छात्रों हेतु ल्वनज्नइम पर 5 सप्ताहांत सत्र आयोजित किए गए। टॉपर द्वारा 94% स्कोरिंग के साथ ही लगभग 8,000 छात्रों ने परीक्षा दी। ओलंपियाड के परिणामों की घोषणा की गई और विजेताओं हेतु एक सम्मान समारोह 26 जुलाई को किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में परम पूज्य कृष्ण क्षेत्र महाराज उपस्थित रहे।

Disappearance day of Srila Rupa Goswami

(31st July)
(ISKCON, East of Kailash)

Srila Rupa Goswami gave up his opulent position as the Minister of the Nawab of Bengal to pursue a life of austerity and devotion. Joining Mahaprabhu, along with his elder brother Sanatana, he sought to serve Mahaprabhu in his mission to distribute the pure love of Godhead. He spent his life exemplifying the principles of pure devotional service. He dedicated his life to preaching and spreading transcendental literature. His literature and guidelines form the basis of Krishna consciousness movement. Srila Prabhupada, often reminded followers of ISKCON, that they were 'Rupanugas' as they followed in the footsteps of Srila Rupa Goswami. His disappearance day was celebrated with pushpanjali and kirtan. His teachings were revisited and prayers were offered for his mercy and favour.

Sadhu Sanga over Internet continues

(ISKCON, East of Kailash)

As devotees live under the constraints of movement and social interaction, the outreach program through internet continues to flourish. The devotees conglomerate on meeting portals in study groups, for in depth discussions on scriptures and principles. The Namahatta Sunday Program restarted in a new avatar, with multiple speakers and senior devotees, lecturing on the nine processes of devotional service. These sessions being held on Zoom are being attended by over one hundred and twenty-five devotees.

The Saturday Sessions too are continuing on Zoom with the attendance of about hundred devotees from different parts of the country. These sessions are shedding light on current, significant issues such as dealing with stress, karma theory, acquiring spiritual knowledge and many others.

श्रील रूप गोस्वामी का तिरोभाव दिवस (31 जुलाई)

श्रील रूप गोस्वामी ने भक्ति एवं तप के जीवन को आगे बढ़ाने हेतु बंगाल के नवाब के मंत्री के रूप में अपना शानदार पद त्याग दिया। अपने बड़े भाई सनातन के साथ, महाप्रभु के संग मिलकर, उन्होंने भगवान के शुद्ध प्रेम को वितरित करने हेतु उनके मिशन में महाप्रभु की सेवा करने की याचना की। उन्होंने अपना जीवन शुद्ध भक्ति के सिद्धांतों का अनुकरण करते हुए बिताया। उन्होंने दिव्य साहित्य के प्रचार और प्रसार हेतु अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका साहित्य और दिशा–निर्देशन, कृष्ण भावनमृत आंदोलन का आधार है। श्रील प्रभुपाद, अक्सर इस्कॉन के अनुयायियों को याद दिलाते थे, कि वे 'रूपानुग' हैं क्योंकि वे श्रील रूप गोस्वामी जी का अनुसरण करते हैं। उनके तिरोभाव दिवस को पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ मनाया गया। उनकी शिक्षाओं एवं निर्देशों को पुनः पुनः स्मरण किया गया एवं उनकी दया याचना और कृपा प्राप्ति हेतु प्रार्थना भी की गई।

इंटरनेट पर साधु संग जारी है

जैसा कि भक्तगण, भक्ति आंदोलन एवं सामाजिक संपर्क की बाध्यताओं के मध्य रहते हैं, तथापि इंटरनेट के माध्यम से समाज तक पहुँचने के कार्यक्रम का विस्तार जारी है। विभिन्न पोर्टलों पर, शास्त्रों और सिद्धांतों पर गहन चर्चा हेतु, कई अध्ययन समूहों में भक्त जुटते हैं। नामहट्ट संडे प्रोग्राम कई वक्ताओं एवं वरिष्ठ भक्तों के साथ एक नए अवतार में फिर से शुरू हुआ, जो नवधा भक्ति पर आधारित है। जूम पर आयोजित होने वाले इन सत्रों में एक सौ पच्चीस से अधिक श्रद्धालु भक्त भाग लेते हैं।

शनिवार का सत्र भी, देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग सौ भक्तों की उपस्थिति के साथ जूम पर जारी है। ये सत्र वर्तमान, महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे तनाव, कर्म के सिद्धांत, आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करना एवं कई अन्य विषयों पर भी प्रकाश डाल रहे हैं।

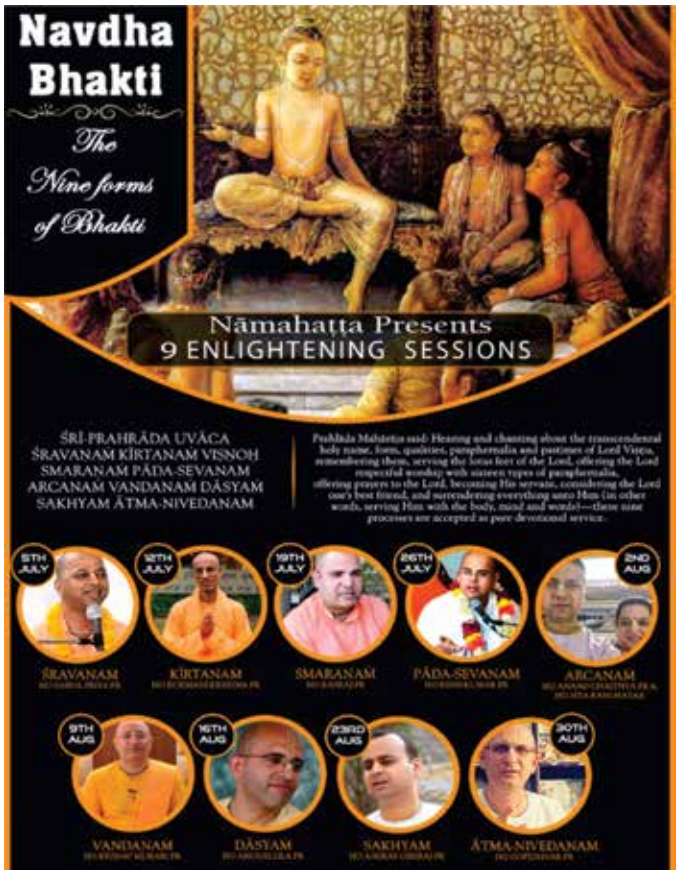

Upcoming events:

Balarama Purnima (3rd August)
(ISKCON – All Delhi Temples)

Lord Balarama is the seventh son of Mother Devaki. The wielder of the plough, with a brilliant white body, adorned with blue garments, is the first expansion of the Lord, who is non-different from Krishna Himself. The scriptures reveal that the only difference between Krishna and Balarama is their complexion. He is the eternal companion of the Lord, who accompanies Him as His brother, sometimes younger and sometimes older. His service attitude to Krishna along with His ever-increasing desire to provide pleasure to the Lord makes him the Adiguru, the source of spiritual strength. The acharyas pronounce that without the favour of Balarama, spiritual progress is impossible. He exemplifies principles of pure devotional service. His boundless strength protects the creation and is the eternal shelter of devotees. He incarnates in various forms to serve Krishna and thus educates in spiritual knowledge, service and attitude.

Lord Balarama's appearance will be celebrated with abhishek, kirtan and feast. His glories will be sung, His pastimes reminisced and His favour will be sought through prayer and supplication.

Second month of Caturmasya (4th August)

The second month of Caturmasya and fasting from curd will begin from 4th August.

Sri Krishna Janmashtami (12th August)
(ISKCON – All Delhi Temples)

The Lord declares in Bhagavad Gita 4.9

janma karma ca me divyam
evaṁ yo vetti tattvatah
tyaktvā dehaṁ punar janma
naiti mām eti so 'rjuna

The only way to protect oneself from the cycle of birth and death, is to know and realise the position of Krishna. He is the Absolute Truth, the supreme controller. He declares that His birth and activities are transcendental and the attachment to His service is the only way to perfect one's human birth. His appearance is to reinstate the faith of conditioned souls on His mercy and magnanimity. He appears to reassure His followers that they are secure under His protection and that He is the all benign Supreme, whose pastimes, their description and remembrance, can give eternal pleasure to those who choose to follow the path delineated in the scriptures.

This year, due to the restricted movement and congregation, the festival of Janmashtami will be celebrated by the resident devotees. Public at large will not be allowed to throng to the temples, but the festivities will continue. There will be an abhishek of the Lord. Kirtan and chanting of the mahamantra will continue.

आगामी कार्यक्रम

बलराम पूर्णिमा (3 अगस्त)

भगवान बलराम, माता देवकी के सातवें पुत्र हैं। नील वर्णीय वस्त्रों से सुशोभित एक शानदार श्वेत वर्णीय काया के संग हलधारी बलराम जी, भगवान का प्रथम विस्तार हैं, जो स्वयं श्री कृष्ण से अभिन्न हैं। शास्त्र बताते हैं कि कृष्ण और बलराम के बीच एकमात्र अंतर उनका रंग है। वे भगवान् के शाश्वत सखा हैं, जो कभी उनके छोटे भाई तो कभी उनके बड़े भाई के रूप में अवतरित होते हैं । श्री कृष्ण के प्रति उनके सेवा भाव के साथ–साथ भगवान को आनंद प्रदान करने की उनकी बढ़ती इच्छा ने ही उन्हें आध्यात्मिक शक्ति का स्रोत, आदिगुरु बनाया है। आचार्यों का कहना है कि भगवान् बलराम की कृपा प्राप्ति के बिना आध्यात्मिक प्रगति असंभव है। वह शुद्ध भक्ति के सिद्धांतों का आदर्श प्रस्तुत करते हैं। उनकी असीम शक्ति सृष्टि का रक्षण करती है और भक्तों का अनन्त आश्रय भी है। वह कृष्ण की सेवा करने हेतु विभिन्न रूपों में अवतार लेते हैं और इस प्रकार आध्यात्मिक ज्ञान, सेवा भाव और उचित दृष्टिकोण की शिक्षा प्रदान करते हैं। भगवान बलराम का प्राकट्य अभिषेक, कीर्तन और भोज–प्रसाद के साथ मनाया जाएगा। उनकी महिमा का मंडन तथा उनकी लीलाओं का गायन भी किया जाएगा एवं प्रार्थनाओं के माध्यम से उनकी कृपा प्राप्ति की याचना भी की जायेगी।

चतुर्मास का दूसरा महीना (4 अगस्त)

चतुर्मास का दूसरा महीना एवं दही से उपवास भी 4 अगस्त से ही प्रारम्भ होगा।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी (12 अगस्त)

भगवान ने भगवद गीता 4.9 में घोषणा की है

जन्म कर्म च मे दिव्यमेवं यो वेत्ति तत्त्वतः ।
त्यक्त्वा देहं पुनर्जन्म नैति मामेति सोऽर्जुन ।। 4.9 ।।

कृष्ण की स्थिति को जानना और अनुभव करना ही जन्म और मृत्यु के चक्र से स्वयं को बचाने का एकमात्र तरीका है। वे ही सर्वोच्च नियंता एवं परम सत्य हैं । वे घोषणा करते हैं कि उसका जन्म और कर्म (लीलायें) दिव्य हैं एवं उनकी सेवा के प्रति लगाव ही किसी भी मानव के जन्म को परिपूर्ण करने का एकमात्र तरीका है। भगवत कृपा एवं उदारता पर बद्ध आत्माओं की श्रद्धा एवं विश्वास को दृढ़ करने हेतु ही भगवान का प्राकट्य होता है। वह अपने अनुयायियों को आश्वस्त करने हेतु प्रकट होते हैं कि वे उनके संरक्षण में सुरक्षित हैं और वे ही परम नियंता हैं, जिनकी कथा, लीला एवं स्मरण उन लोगों को शाश्वत आनंद प्रदान कर सकते हैं जो धर्मग्रंथों में बताए मार्ग का अनुसरण करना स्वीकार करते हैं।

इस वर्ष कोविड–19 सम्बंधित प्रतिबंधों के कारण, जन्माष्टमी का त्योहार मंदिर के अंदर रहने वाले भक्तों के द्वारा ही मनाया जाएगा। सार्वजनिक रूप से बड़े पैमाने पर मंदिरों में इस उत्सव को मनाने की अनुमति नहीं होगी, लेकिन उत्सव जारी रहेगा।

Devotees will celebrate in their respective homes, with kirtan, chanting and feast for the Lord. The observance of the festival may be different but the essence of remembering Krishna, His merciful appearance and His glorious pastimes, will continue to warm the hearts of devotees, thawing the ice of adversity surrounding them.

Appearance Day of Srila Prabhupada (13th August) (ISKCON – All Delhi Temples)

Srila Prabhupada is the Founder Acharya of ISKCON. His contribution to the spread of Krishna consciousness all around the world, is unparalleled. More than seven hundred temples and centres, millions of devotees all around the world, Vedic literature available in more than eighty six languages of the world – none of these would be possible without the unmatched leadership and potency of Srila Prabhupada. His mood and mission, embalmed in purity has proliferated, inundating the world with Krishna prema, as prophesied by Chaitanya Mahaprabhu. Srila Prabhupada's appearance reminds of the pure vision of attaining perfection through pure devotional service. His appearance day will be celebrated with abhishek, kirtan, offering of bhoga and glorification. It's a day devotees look forward to, for making their humble offerings at the lotus feet of their beloved Prabhupada.

Spirituality for modern youth, (15th August, 2020) (ISKCON, Dwarka)

ISKCON Youth Forum is continuing its endeavor to educate modern youth even in tough times. Spirituality for Modern Youth Session is an invaluable guide for all the thoughtful people; all the more to the wintellectual youths who are trying to go deeper in their lives. The program is facilitated by H.G. Amogh Lila Prabhu, Vice president ISKCON Dwarka, Motivational Speaker, Spiritual Mentor, Guest faculty in IIMs & IITs. The seminar will be held online followed by Q&A. To make the seminar more interactive, quizzes will be organized at end of the session.

Radhashtami (26th August) (ISKCON – All Delhi Temples)

Radharani is the pleasure potency of the Lord. As Gaudiya Vaishnavas, devotees follow the instructions of Srimati Radharani, the topmost devotee of the Lord. As the eternal consort of the Lord, she is the one who offers recommendation to a devotee making him eligible to participate in the eternal pastimes of the Lord. Radhashtami is the appearance day of Srimati Radharani. It will be celebrated with abhishek, kirtan and feast. Devotees offer their humble prayers at Her feet, so that She may glance at them favourably, making them eligible to serve the Lord.

Vamana Dwadashi (30th August) (ISKCON, East of Kailash)

The Lord incarnates in the form of a dwarf brahmin born to Aditi and Kashyap Muni. His beautiful features are all attractive and his reason for appearing is sublime. He comes to take everything away from the generous Bali Maharaja, grandson of Prahalada Maharaja, the exalted

श्री श्री राधा–पार्थसारथी का अभिषेक होगा और महामंत्र का कीर्तन और जप चलता रहेगा। भक्त अपने–अपने घरों में भगवान के लिए कीर्तन, जप और उत्सव मनाएंगे। त्योहार का पालन अलग हो सकता है लेकिन कृष्ण का अत्यंत गुह्य एवं कृपामय प्राकट्य और उनकी मधुरता से परिपूर्ण लीलाएं, भक्तों के हृदय को इतनी विकट परिस्थिति में भी ठंडक प्रदान करती हैं।

श्रील प्रभुपाद का प्राकट्य दिवस (13 अगस्त)

श्रील प्रभुपाद इस्कॉन के संस्थापक आचार्य हैं। दुनिया भर में कृष्ण भावनामृत के प्रसार में उनका योगदान अद्वितीय है। सात सौ से अधिक इस्कॉन के मंदिर एवं केंद्र, दुनिया भर में लाखों सनातनी भक्त, दुनियाँ की अस्सी से अधिक भाषाओं में उपलब्ध वैदिक साहित्य – श्रील प्रभुपाद के बेजोड़ नेतृत्व और शक्ति के बिना इनमें से कुछ भी संभव नहीं था। चैतन्य महाप्रभु की भविष्यवाणी के अनुसार ही, प्रचुर मात्रा में पवित्रता से परिपूर्ण उनके विचार एवं आंदोलन ने दुनिया को कृष्ण प्रेम से आप्लावित कर दिया है। श्रील प्रभुपाद का प्राकट्य शुद्ध भक्ति के माध्यम से पूर्णता प्राप्त करने के उच्च विचार का स्मरण कराता है। उनका प्राकट्य दिवस अभिषेक, कीर्तन, भोगार्पण एवं उनकी महिमा गायन के साथ मनाया जाएगा। यह एक दिन होता है जब भक्त अपने प्रिय प्रभुपाद के चरण कमलों में अपनी विनम्र सेवा अर्पित करने हेतु तत्पर रहते हैं।

आधुनिक युवाओं हेतु आध्यात्मिकता, (15 अगस्त, 2020) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन यूथ फोरम ने कठिन समय में भी आधुनिक युवाओं को शिक्षित करने हेतु अपना प्रयास जारी रखा है। आधुनिक युवाओं हेतु आध्यात्मिकता सत्र, उन सभी विचारशील लोगों एवं उन सभी बौद्धिक युवाओं हेतु एक अमूल्य मार्गदर्शन है जो अपने जीवन में गहराई तक पहुँचने को प्रयासरत हैं। संगोष्ठी कार्यक्रम का सत्र श्रीमान अमोघ लीला प्रभु, उपाध्यक्ष इस्कॉन द्वारका, प्रेरक अध्यक्ष, आध्यात्मिक गुरु, आईआईएम और आईआईटी में अतिथि संकाय द्वारा प्रदान किया जाएगा। संगोष्ठी में ऑनलाइन प्रश्नोत्तर भी आयोजित किए जाएँगे।

WHO IS LORD

The Supreme Personality of Godhead, Krishna, is the fountainhead of all incarnations. Lord Balarama is His second body. They are both one and the same identity. They differ only in form. Balarama is the first bodily expansion of Krishna, and He assists in Lord Krishna's transcendental pastimes. He is the source of the entire spiritual world and is the adi-guru, the original spiritual master.

He assumes five other forms to serve Lord Krishna. He Himself helps in the pastimes of Lord Krishna, and He does the work of creation in four other forms called the catur-vyuha (four armed) forms known as Vasudeva, Sankarshana, Pradyumna and Aniruddha. He executes the orders of Lord Krishna in the work of creation, and in the form of Lord Sesa, He serves Sri Krishna in various ways. In all the forms He tastes the transcendental bliss of serving Krishna. No one can approach Krishna without first getting the mercy of Baladeva.

Descent of Balarama

Whenever Krishna appears in the material world, He is accompanied by His associates and paraphernalia. Five thousand years ago when Krishna descended into the material world, He was first preceded by Baladeva. Only after Baladeva give His mercy did Krishna descend, such is the intimate relationship between Krishna and Baladeva.

When Baladeva appeared as the seventh child in the womb of Devaki, she could understand that this was a divine child and this made her all the more concerned about His safety. Even Kamsa could sense His potency and he became fearful, thinking he may have been tricked by the prophecy that he will be slain only by the eight child of Devaki. At this time Krishna instructed Yogamaya, His internal potency, to transfer the unborn child from the womb of Devaki to that of Rohini, one of the other wives of Vasudeva, who was hiding from Kamsa in the house of Nanda Maharaja in Gokul.

In this way Balarama was born in Gokul, under the protection of Nanda Maharaja. Garga Muni, the venerable kulguru (family priest) of the Yadu dynasty, revealed to Rohini that the child she was carrying was indeed that of her husband Vasudeva. At the time of the name-giving ceremony he named the child Rama, one who gives all pleasures. Referring to the immense strength of the child, Garga Muni predicted that He will also be known as Balarama (bala meaning strength). Since He was forcibly attracted from the womb of Devaki to that of Rohini, He was also be called Sankarshana. As the son of Rohini He was known as Rohininandan and as the elder brother of Krishna He was also called Dauji.

The form of Lord Balarama

The powerful Lord Balarama is sixteen years old, full of the lustre of youth and has a fair complexion, the color of crystal. He wears blue garments and a garland of forest flowers. His handsome hair is tied in a graceful topknot. Splendid earrings adorn His ears and His neck is splendidly decorated with garlands of flowers and strings of jewels. Splendid armlets and bracelets ornament Dauji's graceful and very strong arms, and His feet are decorated with splendid bejewelled anklets.

Lord Balarama's beauty is enhanced by the earrings touching His cheeks. His face is decorated with tilaka

BALARAMA?

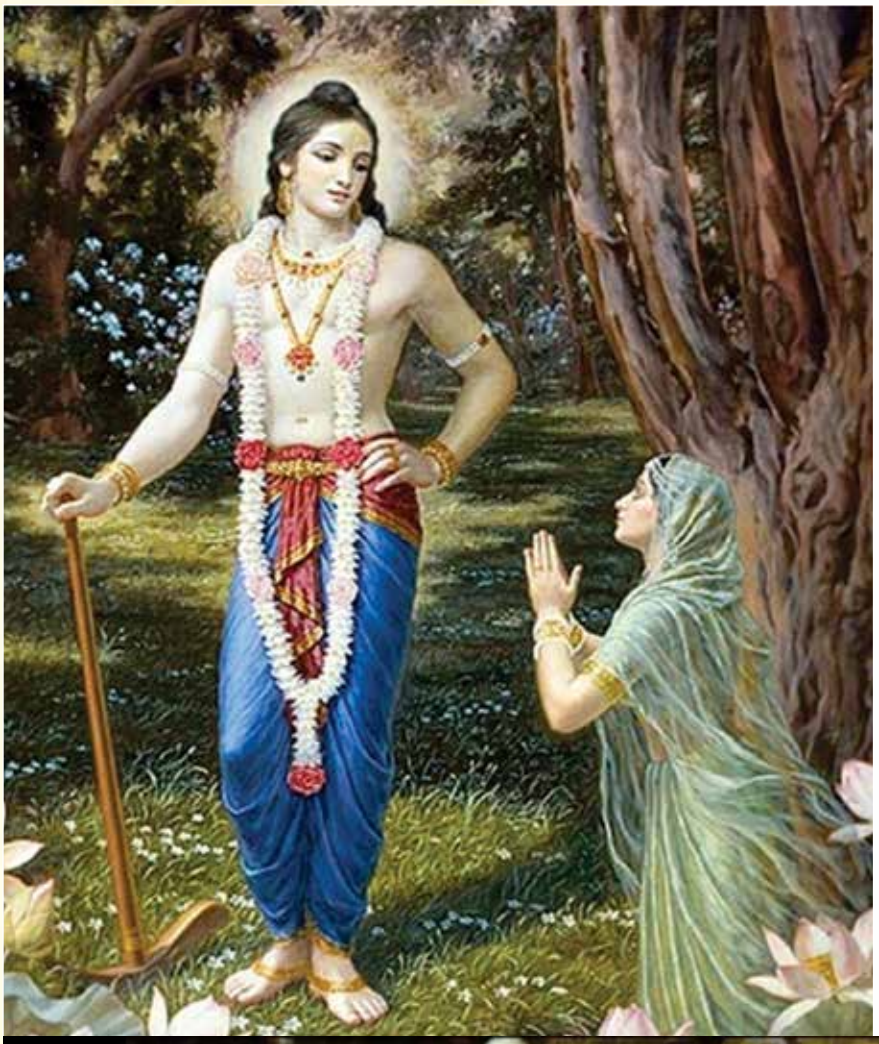

made from musk, and His broad chest is ornamented with a garland of gunja. Balarama's voice is very grave and His arms are very long, touching His thighs.

The splendour of Lord Balarama's transcendental form eclipses many millions of glistening rising moons, and the slightest scent of His boundless strength is sufficient to destroy many armies of demons. Although He knows the supernatural power of His younger brother, Krishna, still, out of love for Him, He never leaves Krishna alone in the forest even for a moment. Balarama is Sri Krishna's dearest friend and is a great reservoir of the nectar mellows of many kinds of transcendental pastimes.

Mercy of Lord Balarama

Lord Balarama exemplifies the service attitude to Krishna. His only mission is to please Krishna by rendering service to Him, whether it is in the creation of the material worlds, maintaining the spiritual world or as His personal paraphernalia.

Lord Balarama is the eternal companion of Sri Krishna. He came as Lakshmana with Rama and later as Nityananda Prabhu with Caitanya Mahaprabhu. He is the original spiritual master, and any one desiring to make spiritual progress must first get the mercy of Lord Balarama.

devotee of the Lord. Just like Prahalada Maharaja, Bali too earns the favour of the Lord by offering his own head for Him to cover the third step of land that he desires. Both Prahlada and Bali are Mahajanas, who impart knowledge of surrender and dependence to the Lord. Vamana Dwadashi is the appearance of Lord Vamana Deva. It will be celebrated with abhishek, kirtan and revisiting the pastimes and teachings of the Lord in the incarnation of Vamana Deva.

Appearance of Srila Jiva Goswami (30th August) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Jiva Goswami is one of the six Goswamis of Vrindavana. He was the nephew of Srila Rupa Goswami and Srila Sanatana Goswami. After the older Goswamis left for the abode of the Lord, Srila Jiva Goswami spearheaded the Vaishnava community. He was an astute, erudite scholar, who wrote literature to aid the spread of the principles of Vaishnavism. His works and preaching methods, of which book distribution was the most prominent, are the foundations of the Krishna consciousness movement established by Srila Prabhupada. His appearance day will be celebrated as an auspicious occasion for Gaudiya Vaishnavas, with pushpanjali, kirtan and glorification.

Appearance of Srila Bhaktivinoda Thakura (31st August) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Bhaktivinoda Thakura is a prominent acharya in the line of Gaudiya Vaishnavas. Exemplifying an ideal grihastha life, his bhajans, his teachings and his life, serve to enthuse devotees to embrace devotional service as one's life and soul. His literary gems presented Vaishnava principles, clearly and in a bonafide manner, for the attention of the newly emerging, western educated intelligentsia of India. His works were later accepted in libraries abroad from where, they still continue to guide and instruct spiritualists from all around the world. The appearance day of Thakura Bhaktivinoda will be celebrated with pushpanjali, kirtan and feast. His teachings will be re-visited and his glorious life will be remembered as a lesson to all followers of the bhakti movement.

सेमिनार को और अधिक इंटरैक्टिव बनाने हेतु, सत्र के अंत में क्विज का आयोजन भी किया जाएगा।

श्री राधाष्टमी (26 अगस्त)

श्रीमती राधारानी भगवान् की आह्लादिनी शक्ति हैं। गौड़ीय वैष्णवों के रूप में, भक्तगण भगवान् की सर्वोच्च भक्त श्रीमति राधारानी के निर्देशों का ही पालन करते हैं। वे ही हैं जो श्री भगवान् की सनातन संगिनी के रूप में, एक भक्त की संस्तुति कर उसे भगवान् की नित्य लीलाओं में भाग लेने हेतु योग्य बनाती हैं। राधाष्टमी, श्रीमति राधारानी का प्राकट्य दिवस है। यह अभिषेक, कीर्तन और भोज प्रसादम के संग मनाया जाएगा। भक्तगण उनके चरणों में अपनी विनम्र प्रार्थना करते हैं, ताकि वे उन पर कृपादृष्टी प्रदान कर उन्हें प्रभु की सेवा करने योग्य बना सकें।

वामन द्वादशी (30 अगस्त)

भगवान वामनदेव जी का अवतरण, माता अदिति एवं कश्यप मुनि के घर एक बटुक ब्राह्मण के रूप में हुआ था। उनकी सुंदर छवि सर्वाकर्षक तथा उनके प्राकट्य का कारण उत्कृष्ट है। वे, परम भगवान के अनन्य भक्त, प्रह्लाद महाराज के पोते, महादानी बली महाराज, से सब कुछ ले लेने के लिए आते हैं। प्रह्लाद महाराज की तरह ही, बली महाराज भी उनके द्वारा इच्छित भूमि का तीसरा पग उन्हें दान करने हेतु, अपना सर प्रदान करके भगवान की कृपा प्राप्त करते हैं। प्रह्लाद और बली दोनों ही महाजन हैं, जो आत्मसमर्पण और प्रभु पर निर्भरता का ज्ञान देते हैं। वामन द्वादशी भगवान वामन देव का प्राकट्य दिवस है। यह अभिषेक, कीर्तन और वामन देव के अवतार में भगवान की लीला एवं उनकी शिक्षाओं का पुनः स्मरण कर मनाया जाएगा।

श्रील जीव गोस्वामी की आविर्भाव तिथि (30 अगस्त)

श्रील जीव गोस्वामी वृंदावन के छह गोस्वामियों में से एक हैं। वे श्रील रूप गोस्वामी और श्रील सनातन गोस्वामी के भतीजे थे। वरिष्ठ गोस्वामी जनों के भगवद धाम प्रस्थान के पश्चात, श्रील जीव गोस्वामी ने वैष्णव समुदाय का नेतृत्व किया। वे एक बड़े ही चतुर एवं बहुश्रुत विद्वान थे, जिन्होंने वैष्णववाद के सिद्धांतों के प्रसार में सहायता करने हेतु साहित्य की रचना की । उनकी साहित्यिक रचनाएँ एवं उपदेश विधियाँ, जिनमें से पुस्तक वितरण सबसे प्रमुख था, श्रील प्रभुपाद द्वारा स्थापित कृष्ण भावनामृत आंदोलन की नींव हैं। उनका प्राकट्य दिवस गौड़ीय वैष्णवों हेतु एक शुभ अवसर के रूप में मनाया जाएगा, जिसमें पुष्पांजलि, कीर्तन और उनका महिमा मंडन शामिल हैं।.

21) श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का प्राकट्य दिवस (31 अगस्त)

श्रील भक्तिविनोद ठाकुर गौड़ीय वैष्णवों की पंक्ति में एक प्रमुख आचार्य है। एक आदर्श गृहस्थ जीवन का दृष्टांत प्रस्तुत करते हुए, उनके भजन, उनके उपदेश एवं उनका जीवन, भक्तों को अपने प्राण एवं आत्मा के रूप में भक्ति को अपनाने हेतु उत्साहित करते हैं। भारत के नए उभरते, पश्चिमी शिक्षित बुद्धिजीवियों के ध्यानाकर्षण हेतु उनके साहित्यिक रत्नों ने वैष्णव सिद्धांतों को स्पष्ट एवं प्रमाणिक रूप से प्रस्तुत किया है। बाद में उनके कार्यों को विदेशों के पुस्तकालयों में भी स्वीकार किया गया, जहाँ से वे आज भी दुनिया भर के अध्यात्मवादियों का मार्गदर्शन एवं निर्देशन करते हैं। श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का आविर्भाव दिवस पुष्पाँजलि, कीर्तन और भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा। उनकी शिक्षाओं को पुनः दोहराया जाएगा एवं उनके गौरवशाली जीवन को भक्ति आंदोलन के सभी अनुयायियों हेतु एक सबक के रूप में याद किया जाएगा।

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001
Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park, Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram, New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR
New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- **Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120**
- **For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623**
- **For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.**
- **For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.**
- **For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.**
- **For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059**
- **For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666**

International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg, West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwaka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road, Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan, C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231
Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh, Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road, Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg, Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola, Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School, Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat, Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5, Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at **delhinews108@gmail.com**